

---

# Shri Chakravartishvara Stotram

---

## श्रीचक्रवर्तीश्वरस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Chakravartishvara Stotram

File name : chakravartIshvarastotram.itx

Category : deities\_misc, shrIdharasvAmI, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Author : Shridharasvami

Proofread by : Manish Gavkar

Description/comments : shrIdharasvAmI stotraratnamAlIkA

Latest update : February 11, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीचक्रवर्तीश्वरस्तोत्रम्



(शार्दूलविक्रीडितवृत्तम्)

भक्तानां विभवप्रदो भवहरो विज्ञानदो दुःखहा  
भक्ते प्रीतिकरो ह्यशेषविषयव्यामोहभिच्छङ्करः ।  
नित्यानन्दपदे निजे निरवधौ संस्थापको निर्मलः  
सर्वेषामिह शं तनोतु भगवान् श्रीचक्रवर्तीश्वरः ॥ १ ॥


धर्मग्लानिरहो यदा सुकृतिनां कष्टं च दुष्टैर्महत  
कामक्रोधमदादिकाश्च नितरां सम्पीडयन्ति क्षितौ ।  
तस्मिन्यः स हि भक्तहृद्गतविभुर्धर्माय चावातरत्  
सर्वेषामिह शं तनोतु भगवान् श्रीचक्रवर्तीश्वरः ॥ २ ॥

यो मायारहितश्चकास्ति सततं ब्रह्मेति वेदस्तुतः  
यस्मिन् कार्यमिदं विभाति सकलं रज्जौ यथाऽहेर्ध्रमः ।  
सर्वस्याहमितीह च स्मृतिरियं विभ्राजतेऽहर्निशं  
सर्वेषामिह शं तनोतु भगवान् श्रीचक्रवर्तीश्वरः ॥ ३ ॥

इति श्रीमत् परमहंसपरिव्राजकाचार्य सद्गुरु भगवान्  
श्रीधरस्वामीमहाराजविरचितं श्रीचक्रवर्तीश्वरस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।  
आश्वयुज शुद्ध १२, आलमोडु,  
रचनास्थानं श्री महाकाळ श्री चक्रवर्तीश्वर क्षेत्रं,  
संवत्सरः - १९४६

Proofread by Manish Gavkar

pdf was typeset on February 12, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

